

an>

title: Regarding Business of the House.

HON. SPEAKER: Hon. Members, it was agreed that a Short Duration Discussion on the issue relating to the functioning of universities, including the incidents in Jawaharlal Nehru University and Hyderabad University etc. will be taken up. In view of the demand by several Members, I have allowed the discussion to be held after moving of the Motion of Thanks on the President's Address. We will start it and after the speeches of the Mover and Secunder of the Motion, the Short Duration Discussion can start.

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** क्या इसी संबंध में आपको कोई ओब्जेक्शन है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, a meeting of the BAC was held yesterday. It was decided very categorically there that a full-fledged discussion will take place tomorrow from 3 p.m. onwards to as much as time it takes up...(*Interruptions*) It was also decided that today the Motion of Thanks on the President's Address will be discussed throughout the day. This decision was unanimously accepted by all the parties. It was proposed by Shri Jyotiraditya M. Scindia ji and seconded by the Ruling Party. I would like to know the reason as to why it is suddenly changed. We have agreed that it will be discussed tomorrow throughout the day but *suo motu* this is decided now. I just want to know whether it is going to be changed. I came one minute late in the House. I do not know the actual developments. I want to know as to why this decision is going to be changed. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: There are some developments. It happens sometimes. So many people have raised their questions. They want this discussion today itself. That is why this decision came.

...(*Interruptions*)

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): We have agreed for the earlier discussion. But in your presence it was decided that this discussion will take place after the Railway Budget. Why is it changed now? ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I know that. जब मैं बात कर रही हूँ, तो आप लोग आपस में क्यों जवाब देते हैं?

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, after you complete, please give me one minute.

HON. SPEAKER: Sure.

So, I am allowing the discussion. Tathagata ji, now everybody is accepting it. Tomorrow, there will be the Railway Budget and everybody will be busy.

...(*Interruptions*)

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Madam, we are not accepting it. We want ample time for this. It was all discussed in front of you. It is imperative that it should be held tomorrow as planned and I am sure hon. Members agreed to it. Just because one or two people do not agree, Madam, you should not change your decision...(*Interruptions*) Let it be done tomorrow at 3 p.m. You had yourself agreed that 3 p.m. onwards, after the Rail Budget, it will start and continue till everybody gets a chance to speak. Madam, this is a very serious issue. The students and youth of this country are concerned. Let us not hurry up and let us not do it as a job that we want to finish quickly. This is not a job. This is our responsibility...(*Interruptions*) I would request you that let it be discussed tomorrow after the Rail Budget and give us ample time. Thank you.

SHRI A.P. JITHENDER REDDY (MAHABUBNAGAR): Madam, yesterday whatever has happened in BAC, after that all the members of our parties got together in the afternoon. ...(*Interruptions*) We told them what has happened in the BAC. We have made our people ready to speak on this issue. Now, all of a sudden, at 11.15, you come out and say that you have to speak on that. My member is not even ready for that. ...(*Interruptions*) I request you that as we have decided in the BAC, that should be taken up in the same way because we always want to uphold the sanctity of BAC.

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) :** मैडम, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ क्योंकि आपने इस विषय पर आज ही चर्चा करने के लिए मंजूरी दी है। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** मैंने तो अभी आधा पन्ना ही पढ़ा है। I am ready but other people are not.

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** इसीलिए मैं उनसे विनती कर रहा हूँ कि यह मैटर बहुत ही महत्वपूर्ण होने की वजह से हर जगह इसकी चर्चा हो रही है, खासकर टीएमसी के भाइयों ने भी इसके बारे में

ऐतयाज जताया है, जब यह विषय इतना महत्वपूर्ण है और इसके ऊपर प्रोटेस्ट भी हो रहा है, तो हमने यह सोचा, हमने सुबह में आपको एडजर्नमेंट मोशन दिया था, यदि आज इसे चर्चा के लिए लिया जाए, तो अच्छा होगा क्योंकि दूसरे सदन में भी इसके बारे में चर्चा हो रही है। यदि हम इसे रेल बजट के बाद चर्चा के लिए लेंगे, तो इसका उतना महत्व नहीं रहेगा। ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Let him complete.

...(Interruptions)

**श्री महिलकार्जुन खड़गे :** इसीलिए हमने आपसे विनती की इम्पोर्टेंट होने की वजह से इसे आज ही लेना चाहिए। तब जब आपकी सम्मति मिली है तो आप ले रहे हैं। इसको आज ही लेना जरूरी है। अगर वे नहीं चाहते हैं, तो that is a different thing. ... (व्यवधान) लेकिन हमको तो ठहरना पड़ेगा। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** वे नहीं चाहते हैं, ऐसा नहीं है। Do not say that. वे भी डिस्कशन चाहते हैं।

â€ (व्यवधान)

**श्री महिलकार्जुन खड़गे :** इसलिए आज ही इसे लेने दीजिए।

**माननीय अध्यक्ष :** मोहम्मद सलीम जी, एक मिनट में अपनी बात कहिए, ज्यादा लम्बा भाषण नहीं देना है।

**श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) :** मैडम, खड़गे जी ने भी कहा है, अपोजिशन के मेम्बर्स भी कह रहे थे, सरकार भी तैयार है कि जेएनयू को लेकर जल्द से जल्द चर्चा हो, यह हमारी मांग थी पहले, लेकिन अभी कल जो राष्ट्रपति जी का अभिभाषण हुआ है, उसमें सरकार के ही पक्ष को रखा गया। आज आप भी कह रही हैं कि मोशन को एक सदस्य मूव करेंगे, दूसरे उसको सेकण्ड करेंगे, इसका मतलब है कि सरकार पक्ष ही उसके बारे में भाषण करेंगे और फिर जेएनयू के बारे में चर्चा होगी। यह बीएसी की रिपोर्ट नहीं थी। बीएसी की रिपोर्ट यह थी कि या तो आप उसे अभी ले लें, अगर इतनी प्रारिष्टि है तो जेएनयू के बारे में अभी चर्चा कीजिए, फिर आप राष्ट्रपति अभिभाषण को मूव करिए, नहीं तो जैसा बीएसी में फैसला हुआ था कि इस पर कल चर्चा होगी, तो आप बीएसी के निर्णय के अनुसार करिए। यह ठीक नहीं है कि कल भी सरकार की, आज भी सरकार की और हम बीच में पड़े रहें। चर्चा होने से, ... (व्यवधान) वाद-विवाद के बारे में यह बात सही है कि आपको दोनों पक्षों को सुनना पड़ेगा और बीएसी की सैविटटी को रखना पड़ेगा। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप सभी लोग बार-बार बीएसी की मीटिंग के बारे में कह रहे हैं, साधारणतया सदन में इसकी डिस्कशन करते नहीं हैं, वहां जो भी होता है, लेकिन आज यहां कुछ परिस्थिति निर्माण हुई है, इसलिए यह बात हो रही है। Yes, I agree.

Now, Shri Venkaiah Naidu ji.

SHRI M. VENKAIHAH NAIDU: Madam, I am really surprised the way some Members are trying to say that the Government has changed it. As far as we are concerned, the Government is willing to go by whatever the BAC decides. We came prepared for that also. Keeping that in mind, यह कोई प्रोटोकाल का विषय नहीं है। इसीलिए जब राज्य सभा में सुझाव आया तो हमने स्वीकार किया, मंत्री जी दोपहर में वहां मौजूद होंगे, चर्चा की रिपोर्ट देंगे। बाद में, अब आने के बाद मुझे बता दिया गया कि यहां पर इतने लोगों ने अलग-अलग इश्यूज पर एडजर्नमेंट मोशन्स दिए हैं, जिसमें सब यूनिवर्सिटीज में वया हो रहा है, विशेष रूप से तीन-चार यूनिवर्सिटीज में, उस विषय पर चर्चा करना चाहते हैं। हम अपनी ओर से शुरू से कह रहे हैं कि हमारी प्रारिष्टि यह है कि सदन चले, इसलिए मैं इस पर राजी हो गया और कहा कि इस पर चर्चा होने दीजिए। अगर मर्यादा के अनुसार राष्ट्रपति अभिभाषण की शुरुआत होनी चाहिए, शुरुआत होने के बाद कोई भी चर्चा करनी है तो हम उसके लिए तैयार हैं।

मैडम, आप बाकी लोगों की बातें देखकर निर्णय कीजिए, सरकार की ओर से कोई प्रॉब्लम नहीं है। प्रॉब्लम इतनी ही होगी कि मंत्री जी वहां होंगे और हम में से किसी को जवाब देना पड़ेगा। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** खड़गे जी, यह बात भी तब हुई थी, जब कोई मुझे मिलने आए थे, बात हो रही थी, यहां भी उठाया गया था, तब भी यह बात थी कि यह बात बिल्कुल सही है और कल भी, अब आप सभी उल्टेख कर रहे हैं, यह भी बात हो रही थी कि जब आज इस पर राज्य सभा में चर्चा होनी है तो मंत्री जी आज यहां नहीं होंगे, वह वहां रहेंगे। ये सब बातें, जो उन्होंने कही हैं, गलत नहीं हैं। आज इतनी ही बात है कि सुबह हम सभी लोगों ने देखा कि आग्रह था, कुछ लोगों ने एडजर्नमेंट मोशन की नोटिस भी दी थी और सरकार तैयार थी। हमने इतना ही सोचा कि एक बार राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर मोशन ऑफ थैंक्स शुरू हो जाए और अगर आप सभी सहमत हों तो दोपहर में हम सभी इस पर चर्चा करेंगे।

â€ (व्यवधान)

**श्री महिलकार्जुन खड़गे :** इसीलिए हमने एडजर्नमेंट मोशन दिया था, आपके आश्वासन के ऊपर हमने उसको सेक दिया।

**माननीय अध्यक्ष :** एडजर्नमेंट मोशन को एलाउ करना, नहीं करना, यह मेरा काम है और वह 12 बजे ही लिया जाता है।

â€ (व्यवधान)

**श्री महिलकार्जुन खड़गे :** मैडम, आप जानती हैं अगर यह सदन ठीक ढंग से चलना है, हम भी चाहते हैं, लेकिन हर बात में अगर ऐसी कंडीशन डालें तो यह ठीक नहीं है। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** खड़गे जी, कोई ऐसा नहीं कर रहा है। आप नाराज मत होना। अब बैठिए।

श्री आनंदराव अडसुल जी, बोलिए।

**श्री आनंदराव अडसुल (अमरावती) :** मैडम, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह आम सहमति बनी थी। सभी पक्षों के लोगों ने ... (व्यवधान) श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया जी ने प्रपोज किया था कि रेल बजट के बाद यूनिवर्सिटीज के बारे में हम डिस्कशन करेंगे, सभी यूनिवर्सिटीज के बारे में एक साथ ही चर्चा करेंगे। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** समय के साथ परिस्थितियां बदल जाती हैं।

**श्री आनंदराव अडसुल :** अगर उनके ही साथी ने प्रपोज किया था तो उसमें बदलाव के लिए एक ही पक्ष के कुछ लोग एडजर्नमेंट मोशन देते हैं तो बदलाव करना उचित नहीं है, ऐसा मुझे लगता है।

श्री आधलराव पाटील शलवाजीराव (शिरूर) : एडजर्नमेंट मोशन तो रोज आते हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग इस पर आपस में बात मत करिए। मेरा यह कहना है कि इससे बहुत कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। What all of you have said is right कि कल करने की बात हुई थी, मगर यह भी होता है कि अगर कल रेल बजट होता है तो उसके बाद कहां तक वया होगा।

So, please accept it.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Madam Speaker, whatever decision you will take, we will abide by that for the interest of the Opposition sides' view. As the Congress being the largest Opposition party has proposed it, we agree to your proposal.

HON.SPEAKER: Thank you.

So, the subject, which we have accepted is: "Situation arising out of recent incidents in Institutions of higher education in reference to Jawaharlal Nehru and Hyderabad Universities and all universities."

Hon. Members, the notice from Shri K.C. Venugopal has been received first. But Venugopalji has requested me to allow Shri Jyotiraditya Scindia in his place to initiate the discussion, and so, I have given this permission.

-